Total No. of Printed Pages—3

3 SEM TDC HND M 2

2017

(November)

HINDI

(Major)

Course : 302

(काव्यशास्त्र)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32/24

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक आचार्य कौन हैं?

(ख) काव्य के हेतु क्या-क्या हैं?

(ग) आचार्य भरतमुनि के द्वारा काव्य के गुणों की संख्या कितनी मानी गयी है?

(घ) दोहा के प्रथम और तृतीय पद में कितनी मात्राएँ होती हैं?

(ङ) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'—यह किसका मत है?

(Turn Over)

(च) आचार्य मम्मट ने काव्य का महत्त्वपूर्ण प्रयोजन एक ही माना है और वह क्या है?

(छ) चौपाई में कितने चरण होते हैं?

(ज) उपमा शब्दालंकार है या अर्थालंकार?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 4×4=16

(क) यथार्थवाद

(ख) ध्वनि सम्प्रदाय

(ग) काव्य-दोष

(घ) वात्सल्य रस

(ङ) काव्य-प्रयोजन

3. प्राच्य एवं पाश्चात्य विद्वानों के काव्य-लक्षणों की समीक्षा करते हुए अपना मत दीजिए। 11

अथवा

काव्य हेतुओं पर भारतीय आचार्यों के मतों का उल्लेख करते हुए एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

4. वक्रोक्ति सिद्धांत का विकासात्मक परिचय दीजिए। 15

अथवा

रीति की व्युत्पत्ति करते हुए उसके अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

5. छंद के भेदों का उल्लेख करते हुए वर्णिक छंदों के गुणों का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

अलंकारों के क्रमिक विकास का परिचय दीजिए।

6. निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं **पाँच** छन्दों के लक्षण सहित उदाहरण दीजिए : 3×5=15

कुंडलिया ; कवित्त ; सोरठा ; छप्पय ; मंदाक्रांता ; रोला ; सवैया।

★★★